डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय

Dr. Shyama Prasad Mukherjee University

भाषा–स्कूल

School of Languages

हिन्दी विभाग

HINDI DEPARTMENT

(डॉ0 विन्ध्यवासिनी नंदन पाण्डेय)
डीन, मानविकी संकाय,
राँची विश्वविद्यालय, राँची
सह
अध्यक्ष, बाह्य विषय विशेषज्ञ

(डॉ0 रत्नेश विष्वक्सेन)
अध्यक्ष
हिन्दी विभाग
झारखण्ड केंद्रीय विश्वविद्यालय,
सह
सदस्य, बाह्य विषय विशेषज्ञ
राँची

पाठ्यक्रम
बी0ए0 / स्नातक–हिन्दी
त्री वर्षीय (छः समसत्रीय)
सत्रारम्भ–2018

हिन्दी विभाग के विभागीय परिषद् की बैठक दिनांक .....
..... को पारित।

(डॉ0 यशोधरा राठौर)
असिस्टेंट प्रोफेसर
स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग
डी0एस0पी0एम0
विश्वविद्यालय, राँची

(डॉ0 जिन्दर सिंह मुण्डा)
असिस्टेंट प्रोफेसर
स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग
डी0एस0पी0एम0
विश्वविद्यालय, राँची

(डॉ0 अनिल कुमार ठाकुर)
अध्यक्ष
स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग
डी0एस0पी0एम0
विश्वविद्यालय, राँची

पाठ्यक्रम की रूपरेखा **(CBCS)** :

क्रेडिट रूररेखा :–

बी0 ए0 हिन्दी (प्रतिष्ठा) पाठ्यक्रम

समसत्र **(Semester)** विभाजन – 140 क्रेडिट

Sem	CC	AECC	GE	SEC	DSE	Total Credits
SEM-I	6+6=12	2	6			20
SEM-II	6+6=12	2	6			20
SEM-III	6+6+6=18		6	2		26
SEM-IV	6+6+6=18		6	2		26
SEM-V	6+6=12	2			12	24
SEM-VI	6+6=12	2			12	24
CORE : 1-14	84	4	24	4		140

SEMESTER	CORE	CREDIT	TOTAL CREDIT
SEMESTER-I	CORE-1	6 CREDIT	20
	CORE-2	6 CREDIT	
	AEC-1	2 CREDIT	
	GE-1	6 CREDIT	
SEMESTER-II	CORE-3	6 CREDIT	20
	CORE-4	6 CREDIT	
	AEC-2	2 CREDIT	
	GE-2	6 CREDIT	
SEMESTER-III	CORE-5	6 CREDIT	26
	CORE-6	6 CREDIT	
	CORE-7	6 CREDIT	
	SEC-1	2 CREDIT	
	GE-3	6 CREDIT	
SEMESTER-IV	CORE-8	6 CREDIT	26
	CORE-9	6 CREDIT	
	CORE-10	6 CREDIT	
	SEC-2	2 CREDIT	
	GE-4	6 CREDIT	
SEMESTER-V	CORE-11	6 CREDIT	24

	CORE-12	6 CREDIT	
	DSE-1	6 CREDIT	
	DSE-2	6 CREDIT	
SEMESTER-VI	CORE-13	6 CREDIT	24
	CORE-14	6 CREDIT	
	DSE-3	6 CREDIT	
	DSE-4	6 CREDIT	
TOTAL CREDITS			140

रूचि आधारित साख पद्धति

Choice Based Credit System

(CBCS)

त्रि–वर्षीय स्नातक हिन्दी पाठ्यक्रम

1. 6 समसत्रों में विभक्त
2. सम्पूर्ण पाठ्य की कुल क्रेडिट–140
3. कोर – अर्थात् ऑनर्स / प्रतिष्ठा
4. डी0एस0ई – डिस्पिलिनरी, स्पेसिफिक इलेक्टिव
5. ए0 ई0 सी0 – योग्यता विकास
6. जी0 ई0 – जेनेरिक इलेक्टिव
7. एस0 ई0 सी0 – कौशल विकास

CC : Core Course
AECC : Ability Enhancement Compulsory Course
GE : Generic Elective
SEC : Skill Enhancement Course
DSE : Discipline Specific Elective

पाठ्यक्रम की रूपरेखा (CBCS) :

बी0 ए0 हिन्दी (प्रतिष्ठा) पाठ्यक्रम

समसत्र–1	
CC-01	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल)
CC-02	हिन्दी साहित्य का इतिहास (भक्तिकाल)
AECC-01	हिन्दी (MIL)
GE-01	झारखण्ड का हिन्दी साहित्य
समसत्र–2	
CC-03	हिन्दी साहित्य का इतिहास (रितिकाल)
CC-04	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) (भारतेन्दु युग)
AECC-02	पर्यावरण अध्ययन (EVS)
GE-II	अनुवाद विज्ञान
समसत्र–3	
CC-05	छायावादोत्तर हिन्दी कविता
CC-06	हिन्दी कथा साहित्य
CC-07	हिन्दी निबंध और अन्य गद्य विधाएँ
SEC-I	पटकथा–लेखन
GE-III	साहित्य और पत्रकारिता

समसत्र–4	
CC-08	भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा
CC-09	प्रयोजनमूलक हिन्दी
CC-10	हिन्दी नाटक और रंगमंच
SEC-II	दृश्य–श्रव्य–माध्यम (लेखन)
GE-IV	रचनात्मक लेखन की विधाएँ
समसत्र–5	
CC-11	भारतीय काव्यशास्त्र
CC-12	पाश्चात्य काव्यशास्त्र
DSE-I	'A' सूरदास अथवा 'B' तुलसीदास
DSE-II	'A' कबीरदास अथवा 'B' निराला
समसत्र–6	
CC-13	हिन्दी आलोचना
CC-14	अस्मितामूलक विमर्श
DSE-III	लोक साहित्य
DSE-IV	हिन्दी की राष्ट्रीय काव्यधारा

विषय–हिन्दी : समसत्र–1

मुख्यांश (Core) प्रतिष्ठा –1 क्रेडिट–6

हिन्दी साहित्य का इतिहास –आदिकाल

इकाई–1 : हिन्दी में साहित्येतिहास लेखन की परंपरा, साहित्येतिहास लेखन की प्रमुख समस्याएँ, हिन्दी साहित्य में काल विभाजन और नाकरण की समस्या।

इकाई–2 : आदिकाल का नामकरण और काल सीमा, आदिकालीन काव्य प्रवृत्तियाँ, रासो काव्य परंपरा तथा पृथ्वीराज रासो की प्रामाणिकता।

इकाई–3 : आदिकालीन कवि– अमीर खुसरो, विद्यापति।

अनुशंसित पुस्तकें :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ0 नगेन्द्र (संपादक)
3. साहित्य और इतिहास दृष्टि : डॉ0 मैनेजर पाण्डेय
4. हिन्दी साहित्य की भूमिका : डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी
5. हिन्दी साहित्य का आदिकाल : डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी
6. हिन्दी साहित्य–उद्‌भव और विकास : डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी
7. हिन्दी साहित्य का आदिकाल : डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी
8. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास :डॉ0 रामकुमार वर्मा
9. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास : डॉ0 गणपति चन्द्र गुप्त
10. हिन्दी साहित्य का नया इतिहास : डॉ0 रामखेलावन पाण्डेय
11. हिन्दी साहित्य की रूपरेखा : डॉ0 जयनारायण मंडल

12. हिन्दी साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास : डॉ0 वासुदेव सिंह
13. हिन्दी साहित्य का प्रवृत्तिपरक इतिहास : डॉ0 सभापति मिश्र
14. आदिकालीन हिन्दी साहित्य की भूमिका : डॉ0 महेन्द्र किशोर
15. हिन्दी साहित्य का आदिकाल : डॉ0 रणजीत सिंह

निर्देश–

1. प्रश्न प्रत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. कुल छह आलोचनात्मक प्रश्नों में से तीन के उत्तर अनिवार्य है।
3. व्याख्या पर आधारित चार प्रश्नों में से दो के उत्तर अपेक्षित है।
4. चार में से दो लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है।
5. वस्तुनिष्ठ पर आधारित 10 प्रश्न अनिवार्य है।
6. प्रत्येक ईकाई से प्रश्न अनिवार्य है।

अंक विभाजन

1. आंतरिक मूल्यांकन : 80+20

बाह्य परीक्षा

1. आलोचनात्मक प्रश्न : 10x3=30
2. व्याख्या : 10x2=20
3. लघुत्तरीय : 5x2= 10
4. वस्तुनिष्ठ : 10x2=20

विषय–हिन्दी : समसत्र–1
मुख्यांश (Core) प्रतिष्ठा –2 क्रेडिट–6

हिन्दी साहित्य का इतिहास – भक्तिकाल

इकाई–1 : भक्ति आंदोलन की पृष्ठभूमि, भक्तिकाल का उद्‌भव एवं विकास, भक्तिकाल की प्रवृत्तियाँ/विशेषताएँ।

इकाई–2 : सगुण–निर्गुण परंपरा, संत काव्य एवं सूफी काव्य परंपरा, राम काव्य एवं कृष्ण काव्य।

इकाई–3 : भक्तिकालीन कवि– कबीरदास, सूरदास, तुलसीदास।

अनुशंसित पुस्तकें :

1.	हिन्दी साहित्य का इतिहास :	रामचन्द्र शुक्ल
2.	हिन्दी साहित्य का इतिहास :	डॉ0 नगेन्द्र (संपादक)
3.	हिन्दी साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास :	डॉ0 वासुदेव सिंह
4.	भक्तिकाव्य की भूमिका :	डॉ0 प्रेमशंकर
5.	हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास :	डॉ0 गणपतिचन्द्र गुप्त
6.	निर्गुण काव्य दर्शन :	सिद्धिनाथ तिवारी
7.	भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य :	डॉ0 मैनेजर पाण्डेय
8.	साहित्य और इतिहास :	डॉ0 सुखदा पाण्डेय
9.	हिन्दी साहित्य का इतिहास :	डॉ0 लक्ष्मीसागर वार्श्णेय
10.	हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास :	डॉ0 बच्चन सिंह
11.	आधुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास :	डॉ0 बच्चन सिंह
12.	कबीर :	डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी
13.	सूरदास :	डॉ0 ब्रजेश्वर वर्मा
14.	कबीर – एक नई दृष्टि :	डॉ0 रघुवंश
15.	जायसी – एक नई दृष्टि :	डॉ0 रघुवंश
16.	जायसी :	विजयदेव नारायण साही
17.	लोकवादी तुलसी :	डॉ0 विश्वनाथ तिवारी
18.	मीरा का काव्य :	डॉ0 विश्वनाथ तिवारी

19. मीरा की भक्ति और उनकी काव्य साधना का अनुसीलन : भगवानदास तिवारी।

निर्देश–

1. प्रश्न प्रत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. कुल छह आलोचनात्मक प्रश्नों में से तीन के उत्तर अनिवार्य है।
3. व्याख्या पर आधारित चार प्रश्नों में से दो के उत्तर अपेक्षित है।
4. चार में से दो लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है।
5. वस्तुनिष्ठ पर आधारित 10 प्रश्न अनिवार्य है।
6. प्रत्येक ईकाई से प्रश्न अनिवार्य है।

अंक विभाजन

1. आंतरिक मूल्यांकन : 80+20

बाह्य परीक्षा

1. आलोचनात्मक प्रश्न : 10x3=30
2. व्याख्या : 10x2=20
3. लघुत्तरीय : 5x2= 10
4. वस्तुनिष्ठ : 10x2=20

योग्यता संवर्द्धन अनिवार्य पाठ्य चर्चा

(MIL HINDI)

AECC-I

क्रेडिट–6

कुल अंक–100 उत्तीर्ण –33

(MIL HINDI)

इकाई–1 : रश्मिरथी– रामधारी सिंह दिनकर – क्रेडिट–2

इकाई–2 : हिन्दी व्याकरण और रचना – क्रेडिट–2

संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, अव्यय, कारक, वचन, संधि, उपसर्ग, प्रत्यय, संक्षेपण, एवं पल्लवन।

इकाई–3 : निबंध लेखन (किसी समसामयिक विषय पर)

अथवा

संप्रेषण (संचार) – संप्रेषण की अवधारणा, महत्त्व, संप्रेषण के लिए आवश्यक शर्तें, संप्रेषण के प्रकार एवं माध्यम, संप्रेषण कला, संप्रेषण की तकनीक एवं वाह्य कला।

अनुशंसित पुस्तकें :

1. वृहत व्याकरण भास्कर : डॉ0 वचनदेव कुमार
2. वृहत निबंध भास्कर : डॉ0 वचनदेव कुमार
3. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना : डॉ0 वासुदेव नन्दन प्रसाद
4. रचना मानस : प्रो0 रामेश्वर नाथ तिवारी
5. रचनात्क लेखन : डॉ0 रमेश गौतम
6. राजहंस हिन्दी निबंध : प्रो0 आर0 एन0 गौड़
7. सफल हिन्दी निबंध : आर0 एन0 गौड़
8. निबंध सहचर : रत्नेश्वर
9. मुहावरे और लोकोक्तियाँ : डॉ0 लक्ष्मण प्रसाद

10. कहानियों कहावतों की : प्रताम अनम
11. सम्प्रेषणपरक हिन्दी भाषा शिक्षण : डॉ0 वैश्ना नारंग
12. शैली विज्ञान : डॉ0 सुरेश कुमार
13. शैली विज्ञान प्रतिमान और विश्लेषण : डॉ0 पाण्डेय शशिभूषण 'शीतांशु'
14. भौली विज्ञान का इतिहास : डॉ0 पाण्डेय शशिभूषण 'शीतांशु'

निर्देश–

1. प्रश्न प्रत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. कुल छह आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार के उत्तर अनिवार्य है।
3. व्याख्या पर आधारित चार प्रश्नों में से दो के उत्तर अपेक्षित है।
4. चार में से दो लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है।
5. वस्तुनिष्ठ पर आधारित 10 प्रश्न अनिवार्य है।
6. प्रत्येक ईकाई से प्रश्न अनिवार्य है।

अंक विभाजन

1. आंतरिक मूल्यांकन : 80+20

बाह्य परीक्षा

1. आलोचनात्मक प्रश्न : 10x4=40
2. व्याख्या : 10x3=30
3. वस्तुनिष्ठ : 10x1= 10
4. व्याकरण वस्तुनिष्ठ प्रश्न : 15
5. निबंध लेखन : 05

योग्यता संवर्द्धन अनिवार्य पाठ्य चर्चा

(MIL NON-HINDI)

AECC-I

क्रेडिट–3

कुल अंक–100 उत्तीर्ण –33

(MIL HINDI)

इकाई–1 : पंचवटी (खंडकाव्य) –मैथिलीशरण गुप्त

इकाई–2 : हिन्दी व्याकरण और रचना – क्रेडिट–1

लिंग, वचन, संधि, समास, पतलवण, संक्षेपण – क्रेडिट–1

इकाई–3 : निबंध एवं सृजनात्मक लेखन (किसी समसामयिक विषय पर) क्रेडिट–1

अनुशंसित पुस्तकें :

1. वृहत व्यकारण भास्कर : डॉ0 वचनदेव कुमार
2. वृहत निबंध भास्कर : डॉ0 वचनदेव कुमार
3. आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना : डॉ0 वासुदेव नन्दन प्रसाद
4. रचना मानस : प्रो0 रामेश्वर नाथ तिवारी
5. रचनात्क लेखन : डॉ0 रमेश गौतम
6. राजहंस हिन्दी निबंध : प्रो0 आर0 एन0 गौड़
7. सफल हिन्दी निबंध : आर0 एन0 गौड़
8. निबंध सहचर : रत्नेश्वर
9. उपकार मुहावरे और लोकोक्तियाँ : डॉ0 लक्ष्मण प्रसाद
10. कहानियों कहावतों की : प्रताम अनम
11. सम्प्रेषणपरक हिन्दी भाषा शिक्षण : डॉ0 वैश्ना नारंग
12. शैली विज्ञान : डॉ0 सुरेश कुमार
13. शैली विज्ञान प्रतिमान और विश्लेषण : डॉ0 पाण्डेय शशिभूषण 'शीतांशु'
14. भौली विज्ञान का इतिहास : डॉ0 पाण्डेय शशिभूषण 'शीतांशु'

निर्देश–

1. दो आलोचना प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे।
3. व्याकरण से संबंधित 10 अंक होंगे।
4. निबंध लेख हेतु 10 अंक निर्धारित है।

अंक विभाजन

1.	आलोचनात्मक प्रश्न :	10x2=20
2.	वस्तुनिष्ठ :	1x10=10
3.	व्याकरण :	10
4.	निबंध :	10
	कुल	**50**

सामन्यीकृत चयन

(Generic Elective)

GE-I

क्रेडिट–6

कुल अंक–100 उत्तीर्ण –33

झारखण्ड का हिन्दी साहित्य

इकाई–1 : झारखण्ड के हिन्दी साहित्य का विकास – क्रेडिट : 2

इकाई–2 : झारखण्ड में हिन्दी कविता, नाटक, व्यंग्य एवं अन्य विधाएँ। क्रेडिट–2

इकाई–3 : झारखण्ड के जनजातीय जीवन पर केन्द्रित हिन्दी लेखन।

क्रेडिट–2

अनुशंसित पुस्तकें :

1. साहित्यालोचन : डॉ0 श्यामसुन्दर दास
2. कला : हंस कुमार तिवारी
3. कला विवेचन : डॉ0 कुमार विमल
4. झारखण्ड का हिन्दी साहित्य : डॉ0 बालेन्दु शेखर तिवारी
5. कृति संस्कृति के शब्द : विद्याभूषण
6. झारखण्ड की भाषाओं का नाट्य साहित्य : डॉ0 कमल कुमार बोस
7. हिन्दी कथा साहित्य और झारखण्ड : डॉ0 अनामिका प्रिया

निर्देश–

1. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. कुल 6 आलोचनात्मक प्रश्नों में से तीन अनिवार्य है।
3. 6 लघुत्तरीय प्रश्नों में से 3 अनिवार्य है।
4. 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न अनिवार्य है।

अंक विभाजन

80+20=100

1.	आलोचनात्मक प्रश्न :	15x3=45
2.	लघुत्तरीय प्रश्न :	5x3=15
3.	वस्तुनिष्ठ :	2x10=20
	कुल	80

समसत्र–II

मुख्यांश (Core) प्रतिष्ठा –3

क्रेडिट–6

हिन्दी साहित्य का इतिहास –रीतिकाव्य

इकाई–1 : रीतिकाल का नामकरण और काल सीमा, रीतिकाल की परिस्थितियाँ, रीतिकाल की प्रवृत्तियाँ। **क्रेडिट–2**

इकाई–2 : रीतिवद्ध काव्यधारा, रीतिसिद्ध काव्यधारा, रीतिमुक्त काव्य

क्रेडिट–2

इकाई–3 : रीतिकालीन कवि – भूषण, बिहारीलाल, घनानंद, पद्माकर।

क्रेडिट–2

अनुशंसित पुस्तकें :

1.	हिन्दी साहित्य का इतिहास :	विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
2.	हिन्दी रीतिकाव्य :	डॉ0 भागीरथ मिश्र
3.	रीतिकाव्य की भूमिका :	डॉ0 नगेन्द्र
4.	बिहारी का नया मूल्यांकन :	डॉ0 बच्चन सिंह
5.	बिहारी सतसई संजीवनी भाश्य :	पदम सिंह भार्मा
6.	बिहारी बोधिनी :	लाला भगवान दीन
7.	बिहारी रत्नाकर :	जगन्नाथ दास रत्नाकर
8.	रीतिकाव्य का नया मूल्यांकन :	डॉ0 जगदीश्वर प्रसाद
9.	बिहारी सार्धशती :	डॉ0 ओमप्रकाश
10.	बिहारी भाश्य :	प्रो0 वकील सिंह

11. घनानन्द का काव्य : डॉ0 रामदेव शुक्ल

निर्देश–

1. प्रश्न प्रत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. कुल छह आलोचनात्मक प्रश्नों में से तीन के उत्तर अनिवार्य है।
3. व्याख्या पर आधारित चार प्रश्नों में से दो के उत्तर अपेक्षित है।
4. चार में से दो लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है।
5. वस्तुनिष्ठ पर आधारित 10 प्रश्न अनिवार्य है।
6. प्रत्येक ईकाई से प्रश्न अनिवार्य है।

अंक विभाजन

1. आंतरिक मूल्यांकन : 80+20

बाह्य परीक्षा

1. आलोचनात्मक प्रश्न : 10x3=30
2. व्याख्या : 10x2=20
3. लघुत्तरीय : 5x2= 10
4. वस्तुनिष्ठ : 10x2=20

समसत्र–II

मुख्यांश (Core) प्रतिष्ठा–4

क्रेडिट–6

हिन्दी साहित्य का इतिहास –आधुनिक काल (भारतेन्दु युग)

इकाई–1 : आधुनिक काल की पीठिका, हिन्दी गद्य का विकास, भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और हिन्दी नवजागरण। **क्रेडिट–2**

इकाई–2 : महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग, हिन्दी भाषा और द्विवेदी, हिन्दी उपन्यास एवं कहानी परंपरा, हिन्दी नाटक एवं एकांकी, हिन्दी आलोचना का उद्‌भव, छायावाद और विकास, आधुनिक कविता की प्रवृत्तियाँ।

क्रेडिट–2

इकाई–3 : आधुनिक कवि/भारतेन्दु युग से छायावाद

क्रेडिट–2

भारतेन्दु हरिश्चन्द्र – सवैया और कविता

मैथिलीशरण गुप्त – यशोधरा।

जयशंकर प्रसाद – बीती विभावरी जाग री, अरूण यह मधुमय देश हमारा।

निराला – सरोज स्मृति, तोड़ती पत्थर, भिक्षुक

सुमित्रानंदन पंत – प्रथम रश्मि, नौका विहार, ताज

महादेवी वर्मा – विरह का जलजात जीवन, सजल है कितना सवेरा।

अनुशंसित पुस्तकें :

1. आधुनिक हिन्दी काव्य की प्रवृत्तियाँ : डॉ0 नामवर सिंह
2. कविता के नए प्रतिमान : डॉ0 नामवर सिंह
3. छायावाद : डॉ0 नामवर सिंह
4. आघुनिक हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ0 बच्चन सिंह
5. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : डॉ0 बच्चन सिंह
6. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास : डॉ0 रामस्वरूप चतुर्वेदी
7. आधुनिक हिन्दी कविता : डॉ0 विश्वनाथ प्रसाद तिवारी
8. भारतेन्दु हरश्चिन्द्र : डॉ0 रामविलास शर्मा
9. समकालीन हिन्दी कविता : डॉ0 ए0 अरविन्दाक्षन
10. कवि की नई दुनिया : डॉ0 शंभुनाथ
11. पथिक सौंदर्य और समीक्षा : डॉ0 जंग बहादुर पाण्डेय

निर्देश–

1. प्रश्न प्रत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. कुल छह आलोचनात्मक प्रश्नों में से तीन के उत्तर अनिवार्य है।
3. व्याख्या पर आधारित चार प्रश्नों में से दो के उत्तर अपेक्षित है।
4. चार में से दो लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है।
5. वस्तुनिष्ठ पर आधारित 10 प्रश्न अनिवार्य है।
6. प्रत्येक ईकाई से प्रश्न अनिवार्य है।

अंक विभाजन

1. आंतरिक मूल्यांकन : 80+20

बाह्य परीक्षा

1. आलोचनात्मक प्रश्न : 10x3=30
2. व्याख्या : 10x2=20
3. लघुत्तरीय : 5x2= 10
4. वस्तुनिष्ठ : 10x2=20

समसत्र–2
योग्यता संवर्द्धन अनिवार्य पाठ्य चर्चा
(MIL NON-HINDI)
AECC-II
क्रेडिट–2

कुल अंक–100 उत्तीर्ण –33

(MIL HINDI)

इकाई–1 : पर्यावरण क्या है? पर्यावरण और मानव जीवन, पर्यावारण अध्ययन की उपादेयता, पर्यावारण का क्षेत्र। क्रेडिट–1

इकाई–2 : पर्यावरण प्रदूषण, पर्यावरण संरक्षण की आवश्यकता, पर्यावरण संरक्षण के शासकीय प्रयास। क्रेडिट–1

अनुशंसित पुस्तकें :

1. मानव अधिकार और पर्यावरण संतुलन : डॉ0 हरिमोहन
2. पर्यावरण शिक्षा : डॉ0 सुधा सिंह
3. पर्यावरण प्रदूषण : डॉ0 गोपीनाथ तिवारी
4. पर्यावरण – समस्या और समाधान : शिवानन्द नौटियाल
5. पर्यावरण विकास और यथार्थ : ज्ञानेन्द्र रावत
6. पर्यावरण विमर्श : आई0 एन0 सिंह/डॉ0 बृजेश सिंह
7. आपदा प्रबंधन : डॉ0 अरविन्द कुमार
8. पर्यावरण प्रदूषण : सं0 डॉ0 विजय कुमार 'संदेश'
9. समाज, साहित्य और संस्कृति : डॉ0 जंग बहादुर पाण्डेय

निर्देश–

1. दो आलोचना प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जायेंगे।
3. व्याकरण से संबंधित 10 अंक होंगे।
4. निबंध लेख हेतु 10 अंक निर्धारित है।

अंक विभाजन

1.	आलोचनात्मक प्रश्न :	10x2=20
2.	वस्तुनिष्ठ :	1x10=10
3.	व्याकरण :	10
4.	निबंध :	10
	कुल	**50**

सामन्यीकृत चयन

(Generic Elective)

GE-2

क्रेडिट–6

कुल अंक–100 उत्तीर्ण –33

अनुवाद विज्ञान

इकाई–1 : अनुवाद क्या है? अनुवाद के प्रभेद अनुवाद का महत्व।

क्रेडिट : 2

इकाई–2 : अनुवाद की समस्याएँ, अनुवाद की प्रक्रिया, एक अच्छे अनुवाद के गुण। क्रेडिट–2

इकाई–3 : अनुवाद और परिभाषिक शब्दावली, प्रशासनिक और विधि साहित्य का अनुवाद, हिन्दी पत्रकारिता और अनुवाद, सामाजिक बदलाव में अनुवाद की भूमिका।

क्रेडिट–2

अनुशंसित पुस्तकें :

1. अनुवाद विज्ञान : डॉ0 भोलानाथ तिवारी
2. अनुवाद का सामयिक परिप्रेक्ष्य : सं0 दिलीप सिंह/प्रो0 ऋषभदेव भार्मा
3. रोजगाराभिमुख अनुवाद विज्ञान : डॉ0 सुरेश माहेवश्वरी
4. अनुवाद के विविध आयाम : डॉ0 राम गोपाल सिंह जादौन
5. हिन्दी अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग : डॉ0 वासुदेव नंदन प्रसाद
6. अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा : डॉ0 सुरेश कुमार
7. अनुवाद शास्त्र : डॉ0 बालेन्दु शेखर तिवारी
8. अनुवाद – सिद्धांत और समस्या : डॉ0 रवीन्द्र श्रीवास्तव
9. अनुवाद – सिद्धांत और प्रयोग : डॉ0 जी0 गोपीनाथन
10. अनुवाद की विविध समस्याएँ : डॉ0 ओमप्रकाश गाबा

11. अनुवाद प्रविधि : डॉ0 सूर्यप्रसाद दीक्षित, डॉ0 सत्यदेव मिश्र

निर्देश–

1. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. कुल 6 आलोचनात्मक प्रश्नों में से 4 के उत्तर अनिवार्य है।
3. 6 लघुत्तरीय प्रश्नों में से 4 के उत्तर अनिवार्य है।
4. 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे।
5. प्रत्येक ईकाई से प्रश्न अनिवार्य है।

अंक विभाजन

80+20=100

4. आलोचनात्मक प्रश्न : 10x4=40
5. लघुत्तरीय प्रश्न : 5x4=20
6. वस्तुनिष्ठ : 2x10=20

कुल 80

समसत्र–3

मुख्यांश (Core) प्रतिष्ठा –5

क्रेडिट–6

छायावादोत्तर हिन्दी कविता

प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता का स्वरूप, उद्‌भव विकास एवं प्रवृत्तियाँ, स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कविता एवं समकालीन कविता की प्रवृत्तियाँ

निर्धारित कवि एवं कविताएँ :

1 : दिनकर – वनफूलों की ओर, हिमालय का संदेश, मनुज का श्रेय

2 : नागार्जुन – अकाल और उसके बाद, बहुत दिनों के बाद, 26 जनवरी, 15 अगस्त।

3 : अज्ञेय–कालगी बाजरे की, नदी के द्वीप, एक सूनी सी साँझ।

4 : धूमिल–मोचीराम, अकाल दर्शन, रोटी और संसद।

अनुशंसित पुस्तकें :

1.	दिनकर	:	डॉ0 सावित्री सिन्हा, संपादक
2.	दिनकर की साहित्य साधना	:	डॉ0 कुमार विमल
3.	दिनकी की साहित्य साधना	:	डॉ0 सतीश कुमार राय (संपादक)
4.	दिनकर चिंतन–अनुचिंतन	:	डॉ0 सतीश कुमार राय (संपादक)
5.	अज्ञेय का कवि कर्म	:	रमेश चन्द्र शाह
6.	अज्ञेय का संसार	:	अशोक वाजपेयी
7.	कविता की मुक्ति	:	डॉ0 नंदकिशोर नवल
8.	धूमिल का काव्य	:	डॉ0 चन्द्रभानु सोनवणे

9. स्वातंत्र्योत्तर कविता के पंचरत्न : डॉ0 लक्ष्मी सिंह

10. छायावादेत्तर काव्य : डॉ0 रणजीत सिंह

निर्देश–

1. प्रश्न प्रत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. कुल छह आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार के उत्तर अनिवार्य है।
3. व्याख्या पर आधारित चार प्रश्नों में से दो के उत्तर अपेक्षित है।
4. चार में से दो लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है।
5. वस्तुनिष्ठ पर आधारित 10 प्रश्न अनिवार्य है।
6. प्रत्येक ईकाई से प्रश्न अनिवार्य है।

अंक विभाजन

1. आरंभिक मूल्यांकन : 80+20

बाह्य परीक्षा

1. आलोचनात्मक प्रश्न : 10x4=40
2. व्याख्या : 10x2=20
3. लघुत्तरीय : 5x2=10
4. वस्तुनिष्ठ : 1x10=10

Total - 80

समसत्र–3

मुख्यांश (Core) प्रतिष्ठा–6

क्रेडिट–6

हिन्दी कथा साहित्य

हिन्दी उपन्यास एवं कहानी का उद्‌भव एवं विकास, नई कहानी आंदोलन एवं विविध कहानी आंदोलन।

निर्धारित पुस्तकें :

उपन्यास :	निर्मला –	प्रेमचंद
कहानियाँ :	सद्‌गति –	प्रेमचंद
	उसने कहा था –	चन्द्रधर शर्मा गुलेरी
	आकाशदीप –	जयशंकर प्रसाद
	भोलाराम का जीव –	हरिशंकर परसाई
	मैं हार गई –	मन्नू भंडारी
	दिल्ली में एक मौत –	कमलेश्वर

अनुशंसित पुस्तकें :

1. हिन्दी कहानी का विकास : डॉ0 मधुरेश
2. हिन्दी कहानी का इतिहास : डॉ0 गोपाल राय
3. हिन्दी काहनी के सौ वर्ष : डॉ0 वेदप्रताप अमिताभ
4. हिन्दी काहनी के सौ वर्ष : डॉ0 दीनानाथ सिंह
5. रागदरबारी का महत्त्व : डॉ0 मधुरेश (संपादित)

6. रागदरबारी पुनर्मूल्यांकन : डॉ0 बालेन्दु शेखर तिवारी (संपादित)

निर्देश–

1. प्रश्न प्रत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. कुल छह आलोचनात्मक प्रश्नों में से तीन के उत्तर अनिवार्य है।
3. व्याख्या या व्याख्यात्मक पर आधारित चार प्रश्नों में से दो के उत्तर अपेक्षित है।
4. वस्तुनिष्ठ पर आधारित 10 प्रश्न अनिवार्य है।
5. प्रत्येक ईकाई से प्रश्न अनिवार्य है।

अंक विभाजन

1. आरंभिक मूल्यांकन : 80+20

बाह्य परीक्षा

1. आलोचनात्मक प्रश्न : 10x4=40
2. व्याख्या : 10x2=20
3. लघुत्तरीय : 5x2=10
4. वस्तुनिष्ठ : 1x10=10

Total - 80

समसत्र–3

मुख्यांश (Core) प्रतिष्ठा –7

क्रेडिट–6

हिन्दी निबंध और अन्य गद्य विधाएँ

हिन्दी निबंध – स्वरूप और विकास

हिन्दी नाटक – स्वरूप और विकास

हिन्दी गद्य की अन्य विधाएँ

निबंध :

1. साहित्य की महत्ता – महावीर प्रसाद द्विवेदी
2. कविता क्या है? – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
3. नाखून क्यों बढ़ते हैं – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
4. आंगन में बैगन – हरिशंकर परसाई
5. गेहूँ और गुलाब – रामवृक्ष बेनीपुरी
6. ठकुरी बाबा – महादेवी वर्मा

नाटक :

1. ध्रुवस्वामिनी – जयशंकर प्रसाद

अनुशंसित पुस्तकें :

1. गद्य की नई विधाओं का विकास : डॉ0 काजदा असर
2. साहित्यिक विधाएँ –पुनर्विचार : डॉ0 हरिमोहन
3. हिन्दी की नई विधाएँ : डॉ0 कैलाशचन्द्र भाटिया

4. साहित्यिक निबंध : गणपतिचन्द्र गुप्त
5. श्रेष्ठ ललित निबंध : कृष्ण बिहारी मिश्र

निर्देश–

1. प्रश्न प्रत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. कुल छह आलोचनात्मक प्रश्नों में से तीन के उत्तर अनिवार्य है।
3. व्याख्या पर आधारित चार प्रश्नों में से दो के उत्तर अपेक्षित है।
4. छःह मे से तीन लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है।
5. वस्तुनिष्ठ पर आधारित 10 प्रश्न अनिवार्य है।
6. प्रत्येक ईकाई से प्रश्न अनिवार्य है।

अंक विभाजन

1. आरंभिक मूल्यांकन : 80+20

बाह्य परीक्षा

1. आलोचनात्मक प्रश्न : 10x4=40
2. व्याख्या : 10x2=20
3. लघुत्तरीय : 5x2=10
4. वस्तुनिष्ठ : 1x10=10

Total - 80

Skill Enhancement Course (SEC- I)

कौशल विकास पाठ्यचर्या

क्रेडिट–2

पटकथा लेखन

ईकाई 1 : पटकथा लेखन की उपयागिता, पटकथा लेखन के आवश्यक बिंदु, विभिन्न माध्यमों के लिए पटकथा लेखन, पटकथा लेखन अभ्यास।

ईकाई 2 : श्रव्य माध्य के रूप में रेडियो, रेडियो लेखन का महत्व, रेडियो वार्ता, रेडियो नाटक, रेडिया साक्षात्कार अन्य विधाएँ।

ईकाई 3 : प्रायोगिक कार्य

अनुशंसित पुस्तकें :

1. रेडियो वार्ता शिल्प : डॉ0 सिद्धनाथ कुमार
2. रेडियो नाटक की कला : डॉ0 सिद्धनाथ कुमार
3. श्रव्य दृश्य माध्यम लेखन : डॉ0 राजेन्द्र मिश्र
4. रचनात्मक लेखन : डॉ0 रमेश गौतम
5. श्रव्य दृश्य माध्यम–कला एवं तकनीक : डॉ0 गौरीशंकर रैना
6. रेडियो नाटक लेखन : डॉ0 उषा सक्सेना

निर्देश–

1. प्रश्न प्रत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. कुल छह आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार के उत्तर अनिवार्य है।
3. छःह मे से चार लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है।

4. वस्तुनिष्ठ पर आधारित 10 प्रश्न अनिवार्य है।

अंक विभाजन

1. आरंभिक मूल्यांकन : 80+20

बाह्य परीक्षा

1. आलोचनात्मक प्रश्न : 15x4=60
2. लघुत्तरीय : 5x2= 10
3. वस्तुनिष्ठ : 1x10=10

Total - 80

सामन्यीकृत चयन
(Generic Elective)
GE-3
क्रेडिट–6

कुल अंक–100 **उत्तीर्ण –33**

क) साहित्य और पत्रकारिता :

साहित्य और पत्रकारिता का संबंध, साहित्यिक पत्रकारिता की अवधारणा, हिन्दी पत्रकारिता का उद्‌भव और विकास, साहित्यिक पत्रकारिता का उद्देश्य एवं महत्व, साहित्यिक पत्रकारिता का भविष्य।

क्रेडिट : 3

संगीत व साहित्य

संगीत और साहित्य का अंतःसंबंध, साहित्य में संगीत की परंपरा, गीत विधा में संगीत की उपादेयता, हिन्दी में गीत परम्परा, हिन्दी गीत योजना एवं संगीत शास्त्र।

क्रेडिट–3

अनुशंसित पुस्तकें :

1. पत्रकारिता के विविध संदर्भ : डॉ0 वंशीधर लाल
2. भारतेन्दु युगीन हिन्दी पत्रकारिता : डॉ0 वंशीधर लाल
3. साहित्य और पत्रकारिता : डॉ0 चन्द्रकांत मेहता
4. साहित्यिक पत्रकारिता : डॉ0 ज्योतिष जोशी
5. हिन्दी पत्रकारिता का समकालीन विमर्श : डॉ0 शिवनारायण
6. हिन्दी पत्रकारिता – स्वरूप और संदर्भ : डॉ0 विनोद गोदरे
7. पत्रकारिता और साहित्य : क्षमा भार्मा
   संपूर्ण पत्रकारिता +इतिहास निर्माता पत्रकार : डॉ0 अर्जुन तिवारी
8. आधुनिक पत्रकारिता : डॉ0 अर्जुन तिवारी
9. जनसंचार और हिंदी पत्रकारिता : डॉ0 अर्जुन तिवारी
10. हिन्दी के विकास में ईसाई मिशनरियों का योगदान : डॉ0 नागेश्वर सिंह
11. हिंदी पत्रकारिता : पं0 कृष्ण बिहारी मिश्र
12. बाखबर–बेखबर : डॉ0 मिथिलेश
13. हिंदी पत्रकारिता विविध आयाम : डॉ0 वेदप्रताप वैदिक
14. पत्रकारिता के नये सिद्धांत एवं प्रयोग : रत्नेश्वर

15. संपादन विज्ञान/समाचार एक दृष्टि : रत्नेश्वर
16. पत्रकारिता के विविध रूप : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी
17. पत्रकारिता और स्तंभ लेखन : चन्द्रभूषण
18. दूरदर्शन : दरश और दिशा, दूरदर्शन की भूमिका : डॉ0 सुधीश पचौरी
19. ब्रेक के बाद, नये जनसंचार माध्यम और हिन्दी : डॉ0 सुधीश पचौरी

निर्देश–

1. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. कुल 6 आलोचनात्मक प्रश्नों में से 4 के उत्तर अनिवार्य है।
3. 4 लघुत्तरीय प्रश्नों में से 2 का उत्तर अनिवार्य है।
4. 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे।

अंक विभाजन

80+20=100

1. आलोचनात्मक प्रश्न : 15x4=60
2. लघुत्तरीय प्रश्न : 5x2=10
3. वस्तुनिष्ठ : 1x10=10

कुल 80

विषय–हिन्दी : समसत्र–4

मुख्यांश (Core) प्रतिष्ठा –8

क्रेडिट–6

भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा

इकाई–1 : भाषा की परिभाषा एवं उसकी प्रवृत्तियाँ, भाषा और बोली में अंतर, भाषा अध्ययन की दिशाएँ। **क्रेडिट–2**

इकाई–2 : ध्वनि विज्ञान, उच्चारण, अवयव एवं उसके कार्य, ध्वनि परिवर्तन कारण एवं दिशाएँ, अर्थ परिवर्तन कारण एवं दिशाएँ, पद और वाक्य। **क्रेडिट–2**

इकाई–3 : हिन्दी भाषा का उद्‌भव और विकास, पुरानी हिन्दी, पालि, प्राकृत, ब्रज, अवधी, एवं खड़ी बोली का सामान्य परिचय, देवनागरी लिपि की विशेषताएँ एवं मानकीकरण। **क्रेडिट–2**

अनुशंसित पुस्तकें :

1. भाषा विज्ञान की भूमिका : आचार्य देवेन्द्र नाथ शर्मा
2. राष्ट्रभाषा हिंदी समस्याएँ और समाधान : आचार्य देवेन्द्र नाथ शर्मा
3. भाषा विज्ञान : डॉ0 भोलानाथ तिवारी
4. भाषा विज्ञान की रूपरेखा : डॉ0 हरीश शर्मा
5. भाषा विज्ञान और भाषा के सिद्धांत : डॉ0 जितराम पाठक
6. आधुनिक भाषा विज्ञान : डॉ0 राजमणि शर्मा
7. भाषा विमर्श : डॉ0 शशिभूषण शीतांशु
8. हिन्दी भाषा का विकास : डॉ0 गोपाल राय
9. सामान्य भाषा विज्ञान : डॉ0 बाबूराम सक्सेना

10. हिंदी भाषा का विकास : डॉ0 धीरेन्द्र वर्मा
11. हिंदी विकास उद्‌भव और रूप : डॉ0 हरदेव बिहारी
12. रूप विज्ञान सिद्धांत और विनियोग : डॉ0 लक्ष्मण प्रसाद सिन्हा
13. हिंदी भाषा और देवनागरी लिपि : डॉ0 देवेन्द्र प्रसाद सिंह
14. भाषा साहित्य और इतिहास : डॉ0 देवेन्द्र प्रसाद सिंह
15. भाषा विज्ञान और हिन्दी भाषा वत्स : डॉ0 देवेन्द्र प्रसाद सिंह, डॉ0 जितेन्द्र
16. हिंदी भाषानुशासन : डॉ0 रामदेव त्रिपाठी
17. नागपुरी भाषा और उसके वृहत्तत्रयी : डॉ0 श्रवण कुमार गोस्वामी
18. ध्वनि परिवर्तन की दिशाएँ : डॉ0 बलराम तिवारी
19. हिंदी शब्द समूह+शब्द प्रयोग : डॉ0 नरेश मिश्र
20. हिंदी भाषा के विकसित ध्वनि वर्ण : डॉ0 रामदेव प्रसाद
21. व्युत्पत्ति विज्ञान सिद्धांत और विनियोग : डॉ0 ब्रजमोहन पांडेय नलिन

निर्देश–

1. प्रश्न प्रत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. कुल छह आलोचनात्मक प्रश्नों में से तीन के उत्तर अनिवार्य है।
3. व्याख्या पर आधारित चार प्रश्नों में से दो के उत्तर अपेक्षित है।
4. छःह मे से तीन लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है।
5. वस्तुनिष्ठ पर आधारित 10 प्रश्न अनिवार्य है।
6. प्रत्येक ईकाई से प्रश्न अनिवार्य है।

अंक विभाजन

80+20=100

1. आलोचनात्मक प्रश्न : 15x4=60
2. लघुत्तरीय प्रश्न : 5x2=10
3. वस्तुनिष्ठ : 1x10=10

कुल 80

विषय–हिन्दी : समसत्र–4

मुख्यांश (Core) प्रतिष्ठा–9

क्रेडिट–6

प्रयोजनमूलक हिन्दी

इकाई–1 : प्रयोजनमूलक हिन्दी की अवधाराण, प्रयोजनमूलक हिन्दी की विविध दिशाएँ, प्रयोजनमूलक हिन्दी की प्रासंगिकता।

क्रेडिट–2

इकाई–2 : पारिभाषिक शब्दावली की अवधारणा एवं विशेषताएँ, परिभाषिक शब्दावली की निर्माण प्रक्रिया, पारिभाषिक शब्दावली की समस्याएँ, पारिभाषिक शब्दावली की उपादेयता। **क्रेडिट–2**

इकाई–3 : हिन्दी भाषा का की संवैधानिक स्थिति, राज्य भाषा, राजभाषा, संपर्क भाषा, राष्ट्रभाषा एवं अंतरराष्ट्रीय भाषा के रूप में हिन्दी। **क्रेडिट–2**

अनुशंसित पुस्तकें :

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी : विनोद गोदरे
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी : डॉ0 रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
3. प्रयोजनमूलक हिन्दी : डॉ0 बालेन्दु शेखर तिवारी
4. प्रयोजनमूलक हिन्दी : डॉ0 कमल कुमार बोस
5. प्रयोजनमूलक हिन्दी : डॉ0 मुश्ताक अहमद
6. प्रयोजनमूलक हिन्दी : डॉ0 दंगल झाल्टे
7. व्यवहारिक हिन्दी : डॉ0 जंगबहादुर पाण्डेय

8. हिंदी संरक्षण, पल्लवण और पाठबोधन : डॉ0 हरदेव बाहरी
9. भारत सकार की राजभाषा नीति : डॉ0 अरविन्द कुलश्रेष्ठ
10. हिंदी वर्तनी का व्यवहारकि उपयोग : डॉ0 हरिवंश तरूण
11. आधुनिक हिंदी व्याकरण और रचना : डॉ0 वासुदेव नंदन प्रसाद
12. प्रयोजनमूलक हिंदी : डॉ0 रामगोपाल सिंह
13. प्रयोजनमूलक हिंदी भाषा और अनुवाद : डॉ0 रामगोपाल सिंह
14. व्यावसायिक हिंदी : डॉ0 दिलीप सिंह
15. राजभाषा संकल्प : डॉ0 मधु भारद्वाज
16. प्रयोजनमूलक हिंदी के विविध आयाम : डॉ0 माया सिंह, डॉ0 सिद्धेश्वर कश्यप
17. प्रयोजनमूलक हिंदी का अध्ययन : डॉ0 सुशीला गुप्ता
18. प्रयोजनमूलक हिंदी : डॉ0 दिनेश प्रसाद सिंह
19. वृहत व्याकरण भास्कर : डॉ0 वचनदेव कुमार
20. प्रयोजनमूलक हिंदी : डॉ0 गुलाम मोइनुद्दीन खान

निर्देश–

1. प्रश्न प्रत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. कुल छह आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार के उत्तर अनिवार्य है।
3. चार में से दो लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है।
4. वस्तुनिष्ठ पर आधारित 10 प्रश्न अनिवार्य है।
5. प्रत्येक ईकाई से प्रश्न अनिवार्य है।

अंक विभाजन

80+20=100

1. आलोचनात्मक प्रश्न : 15x4=60
2. लघुत्तरीय प्रश्न : 5x2=10
3. वस्तुनिष्ठ : 1x10=10

कुल 80

विषय–हिन्दी : समसत्र–4

मुख्यांश (Core) प्रतिष्ठा–10

क्रेडिट–6

हिन्दी नाटक और रंगमंच

इकाई–1 : नाटक की परिभाषा, रंगमंच और नाटक, नाटक की लोकरंजकता, नाटक के तत्त्व एवं नाट्य भाषा। **क्रेडिट–3**

इकाई–2 : भारतेन्दु युगीन नाटक, प्रसाद युगीन नाटक, एवं समकालीन हिन्दी नाटक, नाटक और नाट्य, समकालीन हिन्दी नाटक : दशा एवं दिशा। **क्रेडिट–4**

अनुशंसित पुस्तकें :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : डॉ0 नगेन्द्र
2. हिन्दी नाटक उद्भव और विकास : डॉ0 दशरथ ओझा
3. समकालीन हिन्दी नाटक और रंगमंच : डॉ0 नरेन्द्र मोहन
4. हिन्दी रंगमंच दशा एवं दिशा : डॉ0 कमल कुमार बोस
5. रंगदर्शन : डॉ0 नेमीचन्द्र जैन

निर्देश–

1. प्रश्न प्रत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. कुल छह आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार के उत्तर अनिवार्य है।
3. चार में से दो लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है।
4. वस्तुनिष्ठ पर आधारित 10 प्रश्न अनिवार्य है।
5. प्रत्येक ईकाई से प्रश्न अनिवार्य है।

अंक विभाजन

80+20=100

1. आलोचनात्मक प्रश्न : 15x4=60
2. लघुत्तरीय प्रश्न : 5x2=10
3. वस्तुनिष्ठ : 1x10=10

कुल 80

Skill Enhancement Course (SEC- II)

कौशल विकास पाठ्यचर्या

क्रेडिट–2

दृश्य–श्रव्य माध्य लेखन

ईकाई 1 : उपयोगिता विभिन्न प्रकार की लेखन प्रक्रिया। **क्रेडिट–1**

ईकाई 2 : विज्ञापन, अवधारणा, उपयागिता, भेद, लेखन प्रक्रिया व शिल्प

परियोजना कार्य – लेखन की उपयोगिता, लेखन प्रक्रिया, विभन्न विधाओं, मुद्दों, रचनाकारों पर केंद्रित परियोजना।

क्रेडिट–1

अनुशंसित पुस्तकें :

1. कार्यालयों में हिन्दी का प्रयोग : डॉ0 गोपीनाथ श्रीवास्तव
2. कार्यालयीन हिन्दी : डॉ0 किशोरीलाल वर्मा
3. अनुप्रयुक्त राजभाषा : डॉ0 माणिक मृगेश
4. प्रशासनिक हिन्दी : डॉ0 पी0 पी0 अंडाल
5. राजभाषा हिन्दी : डॉ0 कैलाश चन्द्र भाटिया
6. राजभाषा हिन्दी : डॉ0 इकबाल अहमद
7. प्रयोजनमूलक हिन्दी : डॉ0 बालेन्दु शेखर तिवारी
8. व्यावहारिक हिन्दी : डॉ0 जंगबहादुर पाण्डेय
9. कार्यालयी हिन्दी : डॉ0 बालेन्दु शेखर तिवारी व अभिषेक अवसंत
10. राजभाषा संकल्प : डॉ0 मधु भारद्वाज
11. पारिभाषिक शब्दावली कुछ समस्याएँ : डॉ0 भोलानाथ तिवारी

निर्देश–

1. प्रश्न प्रत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. कुल छह आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार के उत्तर अनिवार्य है।
3. चार में से दो लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है।
4. वस्तुनिष्ठ पर आधारित 10 प्रश्न अनिवार्य है।

अंक विभाजन

1. आंतरिक मूल्यांकन : 80+20

बाह्य परीक्षा

1. आलोचनात्मक प्रश्न : 15x4=60
2. लघुत्तरीय : 5x2= 10
3. वस्तुनिष्ठ : 1x10=10

Total – 80

सामन्यीकृत चयन
(Generic Elective)
GE-4
क्रेडिट–6

कुल अंक–100 उत्तीर्ण –33

रचनात्मक लेखन की विधाएँ

ईकाई 1 : कविता के विविध रूप – महाकाव्य, प्रबंध काव्य, खण्ड काव्य, चम्पु काव्य, मुक्तक काव्य, गीत, गजल, छंद, लय, और तुक, परिभाषा एवं स्वरूप। **क्रेडिट–2**

ईकाई 2 : कविता के विविध रूप – महाकाव्य, प्रबंध काव्य, खण्ड काव्य, चम्पु काव्य, और साहित्य का अंतःसंबंध, साहित्य में संगीत की परंपरा, गीत विधा में संगीत की उपादेयता, हिन्दी में गीत परम्परा, हिन्दी गीत योजना एवं संगीत शास्त्र। **क्रेडिट–2**

इकाई–3 : आधुनिक नई गद्य विधाएँ–लघुकथा और व्यंग्य आत्मकथा, जीवनी, संस्मरण, यात्रा वृतांत, डायरी और पत्र लेखन। **क्रेडिट–2**

अनुशंसित पुस्तकें :

1. वांग्मय विमर्श : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
2. साहित्यिक विधाएँ–पुनर्विचार : डॉ0 हरिमोहन
3. हिन्दी की नई विधाएँ : डॉ0 कैलाशचन्द्र भाटिया
4. साहित्यावलोचन : श्यामसुन्दर दास
5. साहित्य सहचर : डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी
6. विधाओं का विन्यास : डॉ0 अनन्त विजय
7. साहित्यिक विधाएँ–सैद्धांतिक पक्ष : मधुवन
8. काव्य के रूप : गुलाब राय
9. सिद्धांत और अध्ययन : गुलाब राय
10. हिन्दी काव्य विमर्श : गुलाब राय
11. काव्य के तत्त्व : आ0 देवेन्द्र नाथ शर्मा
12. अलंकार मुक्तावली : आ0 देवेन्द्र नाथ शर्मा

13. अलंकार प्रकाश : डॉ0 रमेशचन्द्र पाठक
14. हिंदी आलोचना कल और आज : डॉ0 केदार सिंह
15. काव्यशास्त्र निरूपण : डॉ0 विजय कुमार वेदालंकार व डॉ0 जंग बहादुर पाण्डेय

निर्देश–

1. प्रश्न पत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. कुल 6 आलोचनात्मक प्रश्नों में से 4 के उत्तर अनिवार्य है।
3. 4 लघुत्तरीय प्रश्नों में से 2 का उत्तर अनिवार्य है।
4. 10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे।

अंक विभाजन

80+20=100

1. आलोचनात्मक प्रश्न : 15x4=60
2. लघुत्तरीय प्रश्न : 5x2=10
3. वस्तुनिष्ठ : 1x10=10

कुल 80

विषय–हिन्दी : समसत्र–5

मुख्यांश (Core) प्रतिष्ठा –11 क्रेडिट–6

भारतीय काव्यशास्त्र

काव्य की परिभाषा, काव्य प्रयोजन, काव्य हेतु, काल, लक्षण, काव्य गुण, काव्य दोष, शब्द शक्ति, अलंकार, रस एवं ध्वनि का सामान्य परिचय। **क्रेडिट–3**

अलंकार

अनुप्रास, यमक, श्लेष, वक्रोति, उपमा, अतिशयोक्ति, विरोधाभास, दृष्टांत, संदेह। **क्रेडिट–3**

अनुशंसित पुस्तकें :

1. अलंकार मुक्तावदल : आ0 देवेन्द्र नाथ शर्मा
2. काव्यशास्त्र : डॉ0 भागिरथ मिश्र
3. काव्यशास्त्र : डॉ0 कृष्णा रैना
4. वस्तुनिष्ठ काव्यशास्त्र : डॉ0 बालेन्दु शेखर तिवारी
5. भारतीय काव्य चिंतन : डॉ0 शोभाकांत मिश्र
6. काव्य के तत्त्व : आ0 देवेन्द्रनाथ शर्मा
7. काव्य प्रवृत्तियाँ भारतीय और पाश्चात्य : डॉ0 दीनानाथ
8. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र : डॉ0 सभापति मिश्र
9. काव्यशास्त्र निरूपण : डॉ0 विजय कुमार बेदालंकार, डॉ0 जंग बहादुर पाण्डेय
10. अलंकार प्रकाश : डॉ0 रमेशचन्द्र पाठक
11. रस मीमांसा : आ0 रामचन्द्र शुक्ल

निर्देश–

1. प्रश्न प्रत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. कुल छह आलोचनात्मक प्रश्नों में से तीन के उत्तर अनिवार्य है।
3. आठ में से पाँच लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है।
4. वस्तुनिष्ठ पर आधारित 10 प्रश्न अनिवार्य है।
5. प्रत्येक ईकाई से प्रश्न अनिवार्य है।

अंक विभाजन

1. आंतरिक मूल्यांकन : 80+20

बाह्य परीक्षा

1. आलोचनात्मक प्रश्न : 15x3=45
2. लघुत्तरीय : 5x5= 25
3. वस्तुनिष्ठ : 10x1=10

विषय–हिन्दी : समसत्र–5

मुख्यांश (Core) प्रतिष्ठा –12

क्रेडिट–6

पाश्चात्य काव्यशास्त्र

इकाई–1 : प्लेटो की काव्यधारणा, अरस्तु का अनुकरण सिद्धांत, लानाउनस की उदात्त धारणा, कॉलरिज का कल्पना, मैथ्यु आर्नल्ड का साहित्य सिद्धांत। **क्रेडिट–3**

इकाई–2 : प्रमुख सिद्धांत और वाद–स्वच्छंदतावाद, मनोविश्लेषणवाद, विम्ब, प्रतीक और मिथक। **क्रेडिट–3**

अनुशंसित पुस्तकें :

1.	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	:	आचार्य देवेन्द्र नाथ शर्मा
2.	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	:	डॉ0 निर्मल जैन
3.	वस्तुनिष्ठ काव्यशास्त्र	:	डॉ0 बालेन्दु शेखर तिवारी
4.	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	:	डॉ0 सत्यदेव मिश्र
5.	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	:	डॉ0 शंकरमुनि राय
6.	पाश्चात्य काव्य चिंतन	:	डॉ0 करूणा शंकर उपाध्याय
7.	काव्य प्रवृत्तियाँ भारतीय और पाश्चात्य	:	डॉ0 दीनानाथ सिंह
8.	भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र	:	डॉ0 सभापति मिश्र
9.	काव्यशास्त्र निरूपण	:	डॉ0 विजय कुमार वेदालंकार, डॉ0 जंग बहादुर पाण्डेय
10.	अलंकार प्रकाश	:	डॉ0 रमेशचन्द्र पाठक
11.	रस मीमांसा	:	आ0 रामचन्द्र शुक्ल

12. काव्यशास्त्र के विविध सोपान : डॉ0 बद्रीनाथ तिवारी

निर्देश–

1. प्रश्न प्रत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. कुल छह आलोचनात्मक प्रश्नों में से तीन के उत्तर अनिवार्य है।
3. आठ में से पाँच लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर अपेक्षित है।
4. वस्तुनिष्ठ पर आधारित 10 प्रश्न अनिवार्य है।
5. प्रत्येक ईकाई से प्रश्न अनिवार्य है।

अंक विभाजन

1. आंतरिक मूल्यांकन : 80+20

बाह्य परीक्षा

1. आलोचनात्मक प्रश्न : 15x3=45
2. लघुत्तरीय : 5x5= 25
3. वस्तुनिष्ठ : 10x1=10

अनुशासिक विशिष्ट चयन

DSE-I (Discipline Specific Elective)

क्रेडिट–6

निर्धारित पुस्तकें :

ग्रुप–ए : सूरदास

इकाई–1 :	सूरदास – जीवन और दर्शन।	**क्रेडिट–2**
इकाई–2 :	सूरदास का रचना संसार।	**क्रेडिट–2**
इकाई–3 :	भ्रमरगीत सार (पद 1 से 21 तक)	**क्रेडिट–2**

(भ्रमरगीत सार–सं0 रामचन्द्र शुक्ल)

अथवा

ग्रुप–बी : तुलसीदास

इकाई–1 :	तुलसीदास – जीवन और दर्शन, तुलसीदास का रचना संसार।
इकाई–2 :	रामचरित मानस (केवल सुंदरकांड)
इकाई–3 :	विनय पत्रिका (पद 1 से 21 तक)
इकाई–4 :	कवितावली (उत्तराकांड)

(तुलसीदास – सं0 रामचन्द्र शुक्ल)

अनुशंसित पुस्तकें :

1.	भ्रमर सार	:	आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
2.	सूरसागर	:	डॉ0 धीरेन्द्र वर्मा
3.	कबीर–एक नई दृष्टि	:	रघुवंश
4.	कबीर	:	डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी
5.	कबीर की कविता और उनका समय	:	डॉ0 पुरूषोत्तम अग्रवाल
6.	अकथ कहानी प्रेम की	:	डॉ0 पुरूषोत्तम अग्रवाल
7.	सूर साहित्य	:	डॉ0 हजारी प्रसाद द्विवेदी

8.	हिन्दी भक्तिकाव्य और सूरदास	:	डॉ0 किशोरीलाल
9.	सूर की काव्य चेतना	:	डॉ0 बलराम तिवारी
10.	तुलसी के भक्त्यात्मक गीत	:	डॉ0 बचनदेव कुमार
11.	तुलसी विविध संदर्भों में	:	डॉ0 बचनदेव कुमार
12.	तुलसी	:	डॉ0 राममूर्ति त्रिपाठी (संपादित)
13.	तुलसी दर्शन मीमांसा	:	डॉ0 उदयभानु सिंह
14.	लोकवादी तुलसी दास	:	डॉ0 विश्वनाथ त्रिपाठी

निर्देश–

1. प्रश्न प्रत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. कुल छह आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार के उत्तर अनिवार्य है।
3. व्याख्या पर आधारित चार प्रश्नों में से दो के उत्तर अपेक्षित है।
4. वस्तुनिष्ठ पर आधारित 10 प्रश्न अनिवार्य है।
5. प्रत्येक ईकाई से प्रश्न अनिवार्य है।

अंक विभाजन

1. आंतरिक मूल्यांकन : 80+20

बाह्य परीक्षा

1.	आलोचनात्मक प्रश्न :	10x4=40
2.	व्याख्यात्मक लघुत्तरीय :	10x2=20
3.	वस्तुनिष्ठ :	10x2=20

अनुशासिक विशिष्ट चयन

DSE-II (Discipline Specific Elective)

क्रेडिट–6

निर्धारित पुस्तकें :

ग्रुप–ए : कबीर दास

इकाई–1 : कबीर– जीवन और दर्शन। **क्रेडिट–2**

इकाई–2 : कबीर का रचना संसार। **क्रेडिट–2**

इकाई–3 : कबीर (पद 1 से 21 तक) **क्रेडिट–2**

(कबीर–सं0 आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी)

अनुशंसित पुस्तकें :

1. कबीर : डॉ0 श्यामसुन्दर दास
2. कबीर–एक नई दृष्टि : रघुवंश
3. कबीर : आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
4. कबीर का कविता और उनका समय : डॉ0 पुरूषोत्तम अग्रवाल
5. अकथ कहानी प्रेम की : डॉ0 पुरूषोत्तम अग्रवाल
6. कबीर ग्रंथावली : डॉ0 रामकिशोर शर्मा

अथवा

ग्रुप–बी : सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

इकाई–1 : निराला – जीवन और दर्शन,

इकाई–2 : निराला का रचना संसार

इकाई–3 : निराला कविताएँ–सखि, वसन्त आया, जुही की कली, जागो फिर एक बार, बाद–राग, वर दे वीणावादिनी वर दे, भारती जय विजय करे, तोड़ती पत्थर, मौन रही हार, स्ने–निर्झर बह गया है, गहन है यह अंधकार।

(रागविराग – डॉ0 रामविलास शर्मा)

इकाई–4 : निराला – बिल्लेसर बकरिहा

अनुशंसित पुस्तकें :

1. निराला की साहित्य साधना : डॉ0 रामविलास शर्मा
2. महाकवि निराला : डॉ0 बच्चन सिंह
3. निराला के उपन्यास : डॉ0 सूर्य प्रकाश दीक्षित
4. निराला आलोचकों की दृष्टि में : डॉ0 बचनदेव कुमार
5. निराला की गद्यभाषा : डॉ0 किरण कुमारी
6. निराला–साहित्य में सामाजिक चेतना : डॉ0 प्रमिला कुमारी

निर्देश–

1. प्रश्न प्रत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. कुल छह आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार के उत्तर अनिवार्य है।
3. व्याख्या पर आधारित चार प्रश्नों में से दो के उत्तर अपेक्षित है।
4. वस्तुनिष्ठ पर आधारित 10 प्रश्न अनिवार्य है।
5. प्रत्येक ईकाई से प्रश्न अनिवार्य है।

अंक विभाजन

1. आंतरिक मूल्यांकन : 80+20

बाह्य परीक्षा

1. आलोचनात्मक प्रश्न : 10x4=40
2. व्याख्यात्मक लघुत्तरीय : 10x2=20
3. वस्तुनिष्ठ : 10x2=20

विषय–हिन्दी : समसत्र–6

मुख्यांश (Core) प्रतिष्ठा –13

क्रेडिट–6

हिन्दी आलोचना –

हिन्दी आलोचना का उद्‌भव और विकास, हिन्दी में शास्त्रीय आलोचना, स्वच्छंतदावादी आलोचना एवं मार्क्सवादी आलोचना। **क्रेडिट–3**

प्रमुख आलोचक :

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी, रामविलाश शर्मा एवं नामवर सिंह।

क्रेडिट–3

अनुशंसित पुस्तकें :

1. हिन्दी आलोचना : डॉ0 विश्वनाथ त्रिपाठी
2. हिन्दी आलोचना का विकास : डॉ0 नंदकिशोर नवल
3. वस्तुनिष्ठ काव्यशास्त्र : डॉ0 बालेन्दु शेखर तिवारी
4. हिन्दी आलोचना : बीसवीं शताब्दी : डॉ0 रेवती रमण
5. हिन्दी आलोचना : समकालीन परिदृश्य : डॉ0 कृष्णदत्त पालीवाल
6. हिन्दी आलोचना : शिखरों का साक्षात्कार : डॉ0 रामचन्द्र तिवारी
7. हिन्दी आलोचना कल और आज : डॉ0 केदार सिंह
8. काव्य निरूपण : डॉ0 विजय कुमार वेदालंकार, डॉ0 जंग बहादुर पाण्डेय

निर्देश–

1. प्रश्न प्रत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. कुल छह आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार के उत्तर अनिवार्य है।
3. व्याख्या पर आधारित चार प्रश्नों में से दो के उत्तर अपेक्षित है।
4. वस्तुनिष्ठ पर आधारित 10 प्रश्न अनिवार्य है।
5. प्रत्येक ईकाई से प्रश्न अनिवार्य है।

अंक विभाजन

1. आंतरिक मूल्यांकन : 80+20

बाह्य परीक्षा

1. आलोचनात्मक प्रश्न :	10x4=40
2. व्याख्यात्मक लघुत्तरीय :	10x2=20
3. वस्तुनिष्ठ :	10x2=20

विषय–हिन्दी : समसत्र–6

मुख्यांश (Core) प्रतिष्ठा –14

क्रेडिट–6

ग्रुप : ए – अस्मितामूलक विमर्श

अस्मितामूलक विमर्श की अवधारणा

रचनात्मक विमर्श की प्रासंगिकता **क्रेडिट–3**

दलित विमर्श :

नारी विमर्श, बाल विमर्श, वृद्ध विमर्श, जनजातीय विमर्श

क्रेडिट–3

अनुशंसित पुस्तकें :

1. स्त्री विमर्श कालजयी इतिहास : संजय गर्ग (संपादित)
2. स्त्री विमर्श की उत्तर गाथा : डॉ0 अनामिका
3. स्त्री मुक्ति–संघर्ष और इतिहास : रमणिका गुप्ता
4. आदिवासी अस्मिता का संकट : रमणिका गुप्ता
5. आदिवासी विमर्श और हिन्दी साहित्य : डॉ0 कुमार वीरेन्द्र
6. विमर्श के प्रसंग : डॉ0 संपदा पाण्डेय
7. विमर्श के विविध आयाम : डॉ0 अर्जुन चौहान
8. दलित साहित्य–अनुभव, संघर्ष एवं यथार्थ : डॉ0 ओम प्रकाश बाल्मिकी
9. दलित चेतना की पहचान : डॉ0 सूर्यनारायण रणसुभे
10. विमर्श के प्रसंग : डा0 सम्पदा पाण्डेय
11. विचारधारा और साहित्य : अमृत राय

निर्देश–

1. प्रश्न प्रत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. कुल छह आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार के उत्तर अनिवार्य है।
3. व्याख्या पर आधारित चार प्रश्नों में से दो के उत्तर अपेक्षित है।
4. वस्तुनिष्ठ पर आधारित 10 प्रश्न अनिवार्य है।
5. प्रत्येक ईकाई से प्रश्न अनिवार्य है।

अंक विभाजन

1. आंतरिक मूल्यांकन : 80+20

बाह्य परीक्षा

1. आलोचनात्मक प्रश्न :	10x4=40
2. व्याख्यात्मक लघुत्तरीय :	10x2=20
3. वस्तुनिष्ठ :	10x2=20

अनुशासिक विशिष्ट चयन

DSE-III (Discipline Specific Elective)

क्रेडिट–6

लोकसाहित्य

इकाई–1 : लोक साहित्य की परिभाषा एवं स्वरूप, लोक संस्कृति की अवधारणा, लोक साहित्य के संकलन की समस्याएँ। **क्रेडिट–2**

इकाई–2 : लोक साहित्य के प्रमुख रूप, लोकगीत, लोक नाट्य, लोक कथा, लोक गाथा, लोकोक्ति। **क्रेडिट–2**

इकाई–3 : प्रसिद्ध लोकगाथाएँ–ढोल मारू, नल–दमयन्ती, लैला–मजनू, हीर–राँझा, सोहनी–महीवाल। **क्रेडिट–2**

अनुशंसित पुस्तकें :

1. लोक साहित्य की भूमिका : डॉ0 कृष्णदेव उपाध्याय
2. लोक साहित्य और विविध आयाम एवं नई दृष्टि : डॉ0 जायसी गावीत
3. लोक साहित्यःसिद्धांत और प्रयोग : डॉ0 श्रीराम शर्मा
4. लोक साहित्य विज्ञान : डॉ0 सत्येन्द्र
5. नागपुरी साहित्य : भुवनेश्वर अनुज

निर्देश–

1. प्रश्न प्रत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. कुल छह आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार के उत्तर अनिवार्य है।
3. लघुत्तरीय प्रश्न आधारित छः प्रश्नों में से चार के उत्तर अपेक्षित है।
4. वस्तुनिष्ठ पर आधारित 10 प्रश्न अनिवार्य है।
5. प्रत्येक ईकाई से प्रश्न अनिवार्य है।

अंक विभाजन

1. आंतरिक मूल्यांकन : 80+20

बाह्य परीक्षा

1. आलोचनात्मक प्रश्न : 10x4= 40
2. लघुत्तरीय प्रश्न : 05x04=20
3. वस्तुनिष्ठ : 10x02=20

अनुशासिक विशिष्ट चयन

DSE-IV (Discipline Specific Elective)
क्रेडिट–6

हिन्दी की राष्ट्रीय काव्यधारा

इकाई–1 : राष्ट्रीय काव्यधारा का उद्‌भव और विकास, राष्ट्रीय काव्यधारा की प्रमुख विशेषताएँ। **क्रेडिट–2**

इकाई–2 : मैथिलीशरण गुप्त, माखनलाल चतुर्वेदी, सुभद्रा कुमारी चौहान एवं सोहनलाल द्विवेदी का व्यक्तित्व और कृतित्व। **क्रेडिट–2**

इकाई–3 : चुनी गयी प्रतिनिधि राष्ट्रीय कविताएँ। **क्रेडिट–2**

अनुशंसित पुस्तकें :

1. मैथिलिशरण गुप्त एक पुर्नमूल्यांकन : डॉ0 नगेन्द्र
2. गुप्त जी की काव्य रचना : डॉ0 उमाकांत
3. सियाराम शरण गुप्त व्यक्तित्व और कृतित्व : डॉ0 शिव प्रसाद मिश्र
4. डॉ0 सियाराम शरण गुप्त : डॉ0 नगेन्द्र
5. मैथिलीशरण गुप्त के साहित्य का सांस्कृतिक अध्ययन : डॉ0 एम0 जायसवाल
6. दिनकर की साहित्य साधना : डॉ0 सतीश कुमार राय
7. दिनकर : चिंतन–अनुचिंतन : डॉ0 सतीश कुमार राय
8. दिनकर का गद्य साहित्य : डॉ0 प्रेमनाथ उपाध्याय
9. युगचारण दिनकर : सं0 डॉ0 सावित्री सिन्हा
10. संस्कृति के चार अध्याय : रामधारी सिंह दिनकर
11. श्यामनारायण पाण्डेय की साहित्य साधना : डॉ0 राम सिंहासन प्रसाद वर्मा
12. माखनलाल एक अध्ययन : श्री इन्द्र बहादुर खरे
13. माखनलाल चतुर्वेदी : श्री रामाधार शर्मा
14. आधुनिक कवि (17) : श्री श्यामनारायण पाण्डेय
15. मिला तेज से तेज : सुधा चौहान

निर्देश–

1. प्रश्न प्रत्र की अवधि तीन घंटे की होगी।
2. कुल छह आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार के उत्तर अनिवार्य है।
3. लघुत्तरीय प्रश्न आधारित छः प्रश्नों में से चार के उत्तर अपेक्षित है।
4. वस्तुनिष्ठ पर आधारित 10 प्रश्न अनिवार्य है।
5. प्रत्येक ईकाई से प्रश्न अनिवार्य है।

अंक विभाजन

1. आंतरिक मूल्यांकन : 80+20

बाह्य परीक्षा

1. आलोचनात्मक प्रश्न : 10x4= 40
2. लघुत्तरीय प्रश्न : 05x04=20
3. वस्तुनिष्ठ : 10x02=20